उर्वरकों का उत्पादन

2033. **श्री रामजी लाल: क्या रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में इस वर्ष अब तक और 31 मार्च, 1996 तक विभिन्न उर्वरक उत्पादन एककों में एकक-वार कितनी मात्रा में उर्वरकों का उत्पादन होने की संभावना है;

(ख) इन एककों में किन-किन प्रकार के उर्वरकों का उत्पादन किया जा रहा है;

(ग) प्रत्येक यूनिट की उत्पादन क्षमता उसकी कुल संस्थापित क्षमता का कितना प्रतिशत है; और

(घ) क्या सरकार इन एककों की क्षमता में वृद्धि करने के लिए कोई कदम उठा रही है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री राम लखन सिंह यादव): (क) से (ग) वर्तमान में देश में 59 विशाल आकार और 80 लघु और मध्यम आकार की उर्वरक इकाइयां हैं जो व्यापक श्रेणी के नाइट्रोजनी, फास्फेटिक और कम्पलैक्स उर्वरकों का उत्पादन करती है। इसमें यूरिया, डि-अमोनियम फास्फेट, अमोनियम सल्फेट, कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट, सिंगल सुपर फास्फेट और कम्पलैक्स ग्रेड उर्वरकों की 12 विभिन्न किस्में सम्मिलित हैं। अप्रैल-नवम्बर, 1995 की अवधि के दौरान नाइट्रोजनयुक्त और फास्फेटिक उर्वरकों का क्रमशः 56.63 और 16.83 लाख मी० टन का उत्पादन हुआ था। इसमें नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों के मामले में 94.5% और फास्फेटिक उर्वरकों के मामले में 89.5% की क्षमता उपयोगिता हुई। वर्ष 1995-96 के लिए 95% और 94.5% क्षमता उपयोगिता पर नाइट्रोजनयुक्त और फास्फेटिक उर्वरकों के उत्पादन का लक्ष्य क्रमशः 86.3 लाख मी० टन और 26.67 लाख मी० टन था।

(घ) दिनांक 24 जुलाई, 1991 को सरकार द्वारा जारी औद्योगिक नीति वक्तव्य के अनुसार उर्वरक संयंत्र की स्थापना के लिए किसी औद्योगिक लाइसेंस की आवश्यकता नहीं है।

उर्वरक विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र/सहकारी एककों ने उर्वरकों का उत्पादन बढ़ाने के लिए निम्नलिखित नीति अपनाई है:

(i) वर्तमान उर्वरक संयंत्रों का विस्तार/रेट्रोफिटिंग/रिवेम्पिंग;

(ii) नेफथा आधारित उर्वरक संयंत्रों की स्थापना द्वारा नाइट्रोजनी उर्वरकों के उत्पादन के लिए वरीयता प्राप्त फीडस्टाक अर्थात् प्राकृतिक गैस की उपलब्धता में बाधाओं पर काबू पाना और वर्तमान संयंत्रों और कार्यान्वयनाधीन परियोजनाओं से ड्यूल/फीड स्टाक सुविधाओं की स्थापना, और

(iii) प्रचुर और सस्ती कच्ची सामग्री स्रोतों वाले देशों में संयुक्त उद्यम परियोजनाओं की स्थापना।

सरकार के विचारार्थ सार्वजनिक क्षेत्र/सहकारी एककों द्वारा प्रस्तुत कार्यान्वयनाधीन-परियोजनाओं और परियोजना प्रस्तावों के विवरण संलग्न हैं।

विवरण

देश में कार्यान्वयनाधीन उर्वरक परियोजनाओं का विवरण

क्र० सं०	कम्पनी/सहकारी समिति का नाम	स्थान	अनुमानित पूंजी लागत (रु० करोड़ में)	परिकल्पित उत्पादन उत्पाद क्षमता (लाख मी० टन प्रति वर्ष में)	आरमभण की प्रत्याशित तारीख
1.	इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लि० (इफको)	अंवला (उ०प्र०) (विस्तार)	960.00	यूरिया 7.26	01.01.1997

क्र० सं०	कम्पनी/सहकारी समिति का नाम	स्थान	अनुमानित पूंजी लागत (रु० करोड़ में)	परिकल्पित उत्पादन उत्पाद क्षमता (लाख मी० टन प्रति वर्ष में)	आरमभण की प्रत्याशित तारीख
2.	इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर्स कोआपरेटिव लि० (इफ्को)	कलोल (गुजरात) (विस्तार)	119.08	यूरिया 1.50	01.09.1997
3.	इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर्स कोआपरेटिव लि० (इफ्को)	फूलपुर (उ०प्र०) (विस्तार)	993.00	यूरिया 7.26	20.01.1998
4.	नेशनल फर्टिलाइजर्स लि० (एन एफ एल)	विजयपुर (म०प्र०) (विस्तार)	987.30	यूरिया 7.26	01.01.1997
5.	मद्रास फर्टिलाइजर्स लि० (एम एफ एल)	मनाली (मद्रास) (विस्तार)	487.47	यूरिया 0.76 एन पी के 1.84	30.06.1996
6.	फर्टिलाइजर्स एण्ड कैमिकल्स ट्रावनकोर लि० (फैक्ट)	उद्योग मण्डल केरल (अमोनिया संयंत्र का प्रतिस्थापन)	618.00	अमोनिया 2.97	31.03.1997
7.	ओसवाल कैमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	शाहजहांपुर (उ०प्र०) (ग्रासरूट)	1325.00	यूरिया 7.26	परीक्षण उत्पादन शुरू हो चुका है। दिसम्बर, 95 तक शुरू होने की संभावना है।
8.	नागार्जुन फर्टिलाइजर्स एण्ड कैमिकल्स लि० (एन०एफ०सी०एल०)	काकीनाड़ा आन्ध्र प्रदेश (विस्तार)	954.21	यूरिया 4.95	1997-98 का उत्तरार्द्ध
9	नेशनल फर्टिलाइजर्स लि० (एन० एफ०एल०)	नांगल पंजाब (डी-बोटल नेकिंग)	50.00	यूरिया 1.81	01-11-1996

क्र० सं०	कम्पनी/सहकारी समिति का नाम	स्थान	अनुमानित पूंजी लागत (रु० करोड़ में)	परिकल्पित उत्पादन उत्पाद क्षमता (लाख मी० टन प्रति वर्ष में)	आरम्भण की प्रत्याशित तारीख
10.	राष्ट्रीय कैमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लि० (आर०सी०एफ०)	थाल फेस-I फेस-II (अमोनिया रेट्रोफिट)	49.00 93.00	यूरिया 1.65 यूरिया 1.10	07.10.1996 नवम्बर, 1997
			(I) कुल अनुमानित पूंजी लागत — 6636.06 करोड़ रुपए		
			(II) कुल क्षमता (क) यूरिया—40.81 लाख मी० टन प्रति		
			(ख) एनपीके—1.84 लाख मी० टन प्रति		

दो चरणों के तहत निर्धारित मंजूरी के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र/सहकारी एककों द्वारा परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं जिसकी मंजूरी प्रक्रिया निम्नानुसार है :—

क्र० सं०	कम्पनी/उपक्रम का नाम	स्थान	अनुमानित पूंजी लागत (रु० करोड़ में)	परिकल्पित उत्पादन उत्पाद क्षमता (लाख मी० टन प्रति वर्ष में)	स्तर
1.	इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर्स कोआपरेटिव लि० (इफको)	काण्डला गुजरात (विस्तार)	212.80	फास्फेट 2.11 न्यूट्रिएन्ट	प्रथम चरण की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया गया है।
2.	इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर्स कोआपरेटिव लि० (इफको)	नेल्लोर, आ०प्र० (ग्रासरूट)	1468.20	यूरिया 7.26	प्रथम चरण के लिए प्रस्तुत किया गया है।
3.	कृषक भारती कोआपरेटिव लि० (कृभको)	हजीरा गुजरात (ग्रासरूट)	601.38	एन पी (20:20) 3.00 केन (25 एन) 2.85	9.6.94 को प्रथम चरण की मंजूरी के लिए दिया गया।
4.	कृषक भारती कोआपरेटिव लि० (कृभको)	हजीरा गुजरात (विस्तार)	979.00	यूरिया 7.26	प्रथम चरण की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया गया।

क्र॰ सं॰	कम्पनी/उपक्रम का नाम	स्थान	अनुमानित पूंजी लागत (रु॰ करोड़ में)	परिकल्पित उत्पादन उत्पाद क्षमता (लाख मी॰ टन प्रति वर्ष में)	स्तर
5.	नेशनल फर्टिलाइजर्स लि॰ (एन॰एफ॰एल॰)	पानीपत हरियाणा (विस्तार)	1175.42	यूरिया 7.26	प्रथम स्तर की मंजूरी के लिए दर्शाया जा रहा है।

गुजरात में खतरनाक रसायन उद्योग

2034. **श्री गोपाल सिंह जी॰ सोलंकी:** क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुजरात में विशेषतः राजकोट, जामनगर, भावनगर, गांधीधाम और पोरबंदर में 31 मार्च, 1995 की स्थिति के अनुसार खतरनाक रसायन उद्योगों की संख्या में वृद्धि हुई है;

(ख) क्या पिछले तीन वर्षों के दौरान राज्य में ऐसे उद्योगों की संख्या में वृद्धि हुई है;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण है; और

(घ) राज्य में ऐसे उद्योगों के विस्तार को रोकने के लिए क्या कदम उठाये गये हैं/उठाये जाने का प्रस्ताव है?

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री राम लखन सिंह यादव): (क) से (घ) खतरनाक रसायन उद्योगों की वृद्धि पर नजर रखने के उद्देश्य से रसायन के 22 उद्योगों/उद्योग ग्रुपों को उद्योगों की उस सूची में शामिल कर लिया गया है जिसके संबंध में औद्योगिक लाइसेंसिंग आवश्यक है। सरकार विभिन्न पहलुओं जैसे सुरक्षा, पर्यावरण दृष्टिकोण आदि के बारे में सन्तुष्ट होने के बाद खतरनाक रसायनों के विनिर्माण की अनुमति देती है। जहां तक जानकारी उपलब्ध है, गुजरात राज्य में 16 रसायन उद्योग खतरनाक रसायनों का विनिर्माण कर रहे हैं। इनमें वे दो उद्योग भी शामिल हैं जिनको पिछले तीन वर्षों के दौरान लाइसेंस जारी किए गए थे।

Assistance Given by N.M.F.D.C. to States

2035. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of WELFARE be pleased to state:

(a) the total paid up capital of National Minorities, Financial and Development Corporation as on 30th November, 1995;

(b) the number of States that have subscribed to the capital of the corporation, and the details thereof of their names and amount contributed by them;

(c) the assistance extended by the Corporation to various States and the number of beneficiaries in each State; and

(d) the problems faced by the Corporation in implementing its schemes?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WELFARE (SHRI ASLAM SHER KHAN): (a) The total paid up capital of NMDFC as on 30.11.95 is Rs. 56,96,14,000/-.

(b) The following initial shareholders have paid up their share as given below:-

1. Andhra Pradesh — 4000
2. Karnataka — 4000
3. Uttar Pradesh — 6000

Further Government of Uttar Pradesh has contributed Rs. 6.96 crores towards share capital of the Corporation

(c) NMFDC had disbursed Rs. 31.02 crores to 6 state channel agencies of states upto 30.11.95.